प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मशरूम उत्पादन से आय बढ़ाने की दिशा में पंतनगर विश्वविद्यालय की पहल

पंतनगर। 22 नवम्बर 2025। पंतनगर विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) ढकरानी ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में जनजातीय समुदाय की आय बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित जनजातीय उपयोजना (टी.एस.पी.) परियोजना का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत विकासनगर ब्लॉक के शाहपुर, कल्याणपुर क्षेत्र में यह प्रशिक्षण संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय जनजातीय परिवारों को मशरूम खेती, प्रबंधन तकनीकों और मूल्य संवर्द्धन की जानकारी देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन परियोजना समन्वयक डा. श्वेता चौधरी ने किया। उन्होंने उपस्थित किसानों और महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान समय में मशरूम उत्पादन केवल खेती तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह एक उभरता हुआ उद्यमशीलता और स्वरोज़गार का अवसर बन चुका है। उन्होंने विपणन रणनीतियों, पैकेजिंग के आधुनिक तरीकों तथा सरकार की विभिन्न स्टार्टअप समर्थन योजनाओं को विस्तार से समझाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि किसान वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाएँ तो कम जगह और कम लागत में भी मशरूम की खेती से अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र का संचालन मशरूम विशेषज्ञ श्री सुभम बडोला ने किया। उन्होंने किसानों को ऑयस्टर और बटन मशरूम की खेती की पूरी प्रक्रिया बीज चयन, कंपोस्ट तैयारी, बैग फिलिंग, तापमान व नमी नियंत्रण, रोग–कीट प्रबंधन और कटाई के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया। उन्होंने यह भी बताया कि मशरूम से अचार, सूप, पाउडर, नगेट्स जैसे कई वैल्यू–एडेड उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं, जिससे किसानों की आमदनी और बढ़ सकती है। प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को ऑयस्टर और बटन मशरूम के रेडीमेड बैग, प्लास्टिक स्प्रे बोतलें, फार्मेलीन और अन्य आवश्यक रसायन वितरित किए गए ताकि वे प्रशिक्षण के तुरंत बाद उत्पादन कार्य शुरू कर सकें। इससे किसानों में उत्साह और आत्मविश्वास दोनों दिखाई दिए। कृषि विज्ञान केंद्र ढकरानी के प्रभारी अधिकारी डा. ए. के. शर्मा ने पूरे कार्यक्रम के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही कल्याणपुर की श्रीमती प्रभा देवी ने ग्रामीण महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में किसानों ने बताया कि यह प्रशिक्षण उनके लिए अत्यंत उपयोगी रहा। कई किसानों ने पहली बार मशरूम उत्पादन और उसके विभिन्न आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे सीखी गई तकनीकों को अपने खेतों और घरों में लागू करेंगे और अपने गाँव में मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देंगे। आयोजकों का मानना है कि ऐसे प्रशिक्षण न केवल जनजातीय समुदाय को आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि उन्हें छोटे स्तर पर ही सही, लेकिन स्थायी आय के अवसर प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।